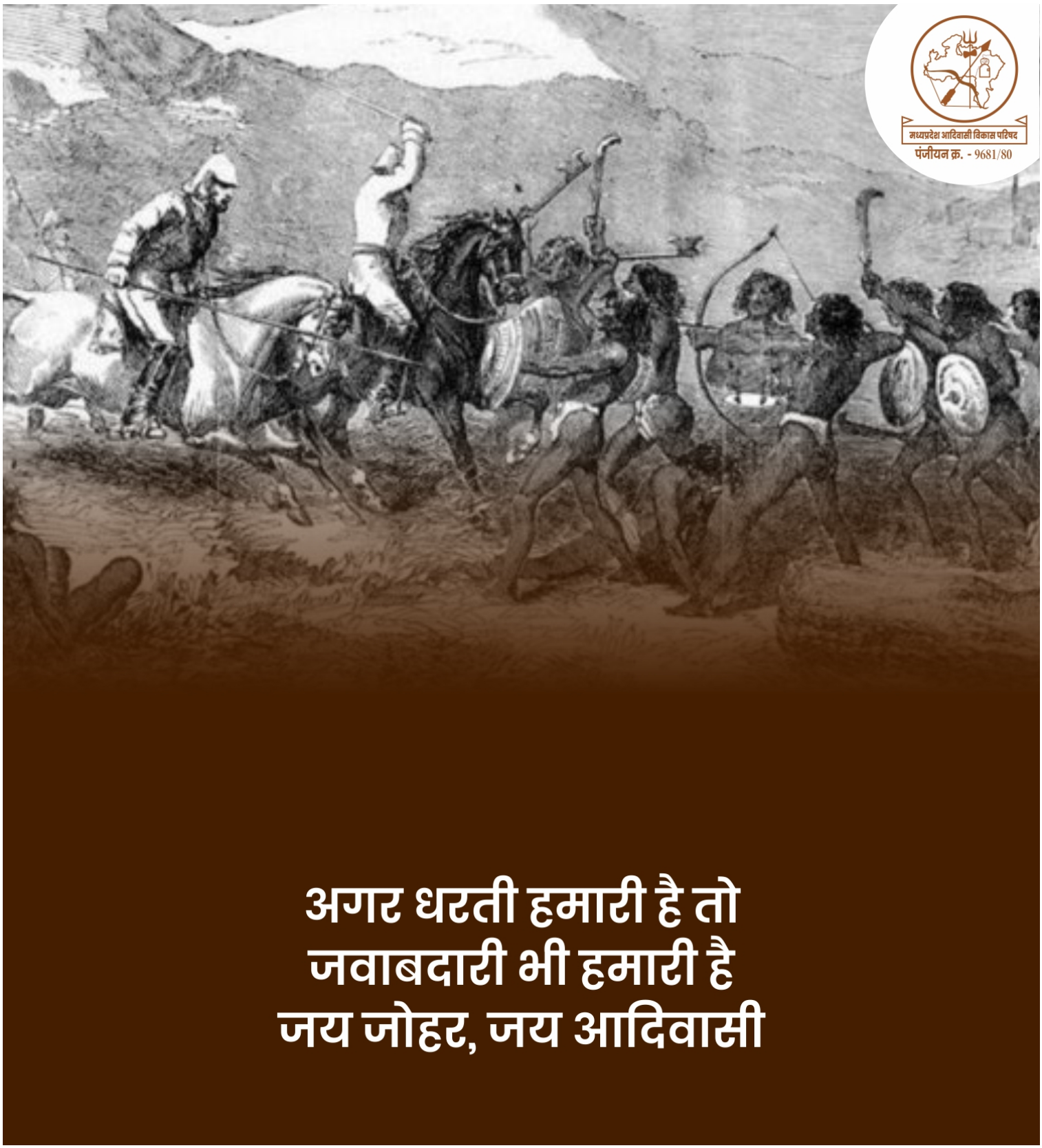

अगर धरती हमारी है तो
जवाबदारी भी हमारी है
जय जोहर, जय आदिवासी

मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद
पंजीयन क्र. - 9681/80
बिरसा मात्र 25 वर्ष जिए, पर
उनकी सोच ने आने वाली पीढ़ियों को जगाया।
आदिवासी अधिकार, पर्यावरण और
स्वराज, उनके तीन सूत्र।

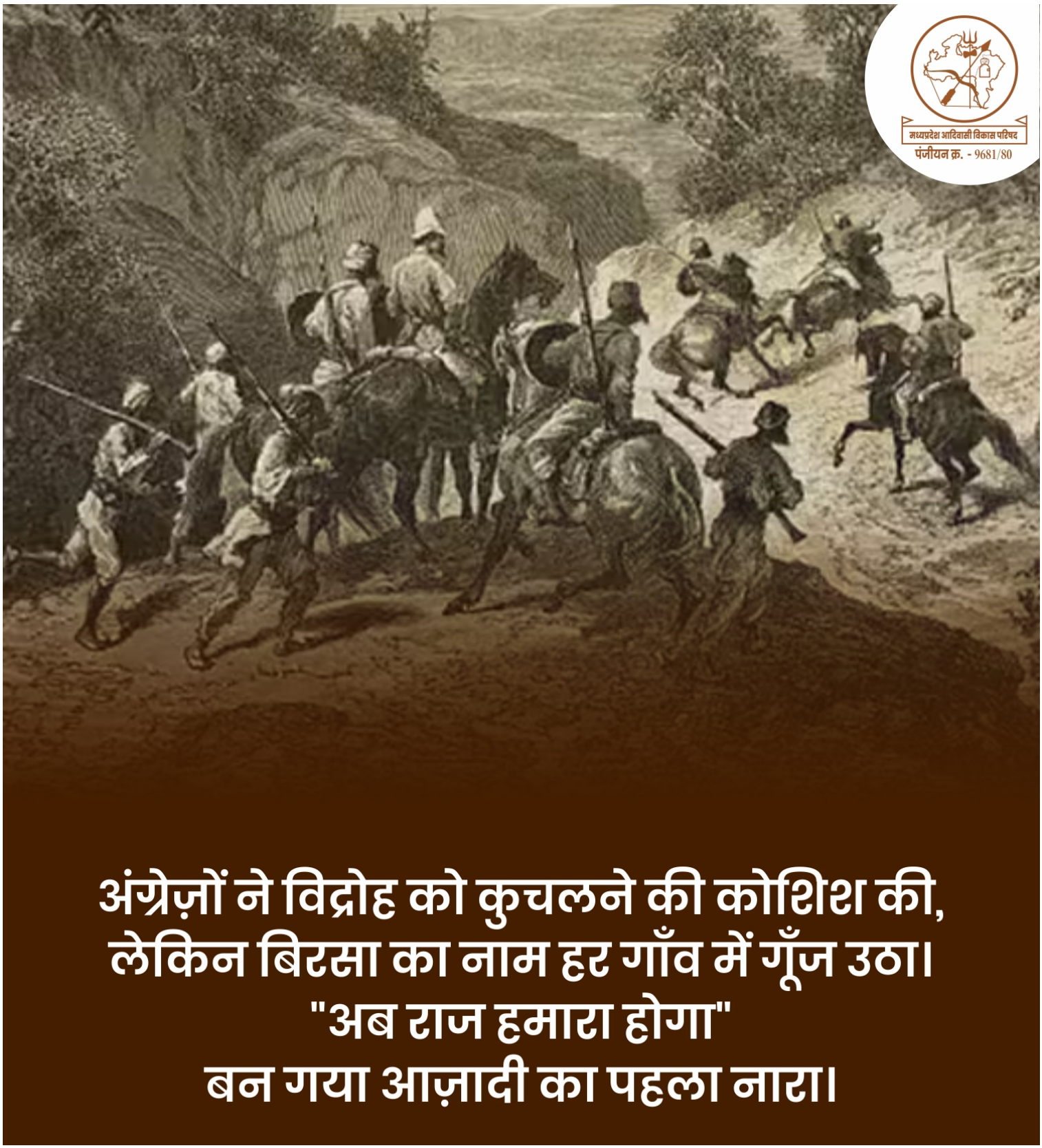

अंग्रेज़ों ने विद्रोह को कुचलने की कोशिश की,
लेकिन बिरसा का नाम हर गाँव में गूँज उठा।
"अब राज हमारा होगा"
बन गया आज़ादी का पहला नारा।

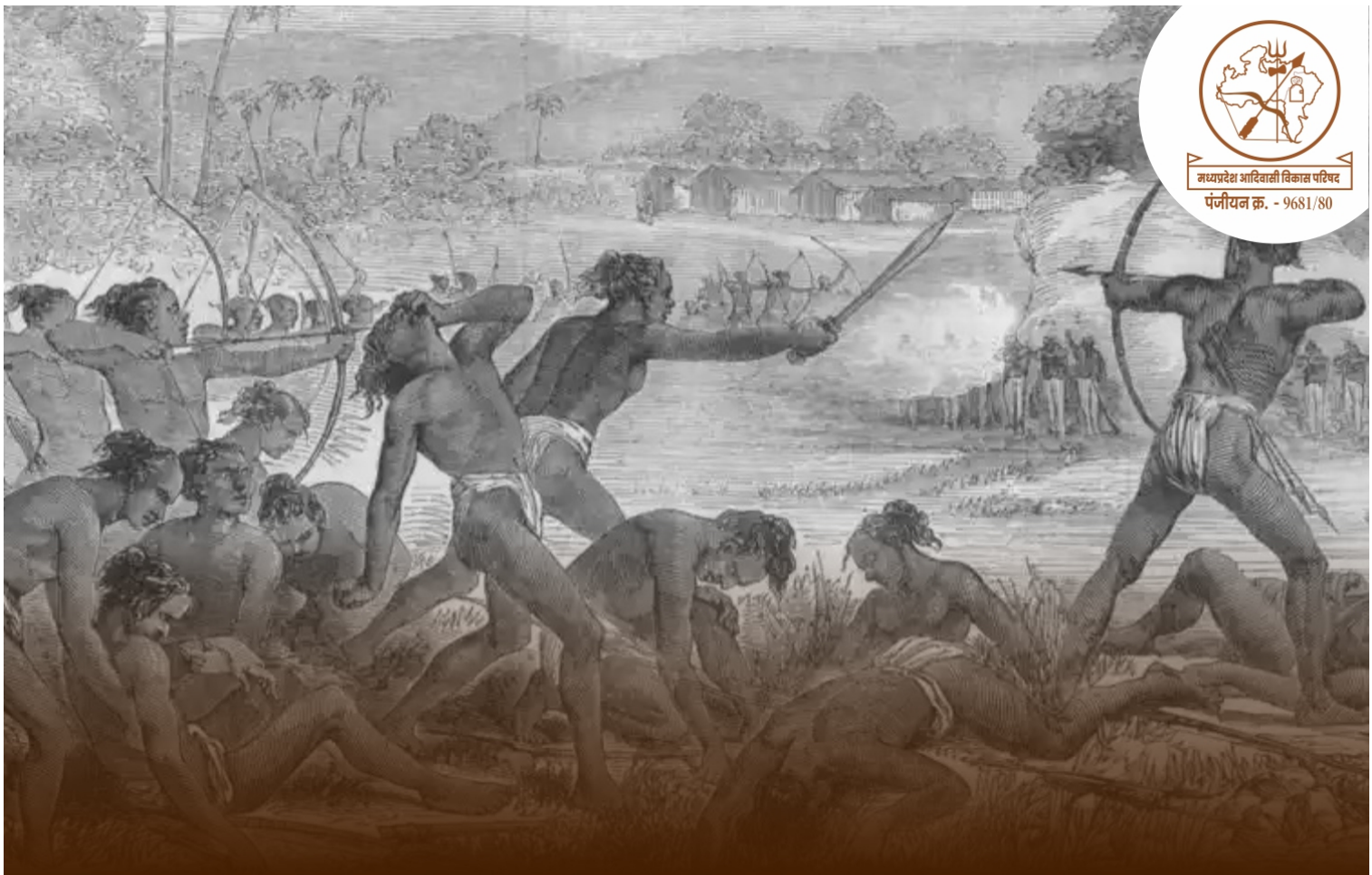

मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद
पंजीयन क्र. - 9681/80

बिरसा ने मिशनरियों और ज़मींदारों
दोनों का विरोध किया।
उन्होंने 'बिरसाइयत धर्म' का आह्वान किया
एकता, स्वराज और प्रकृति की पूजा का संदेश ।

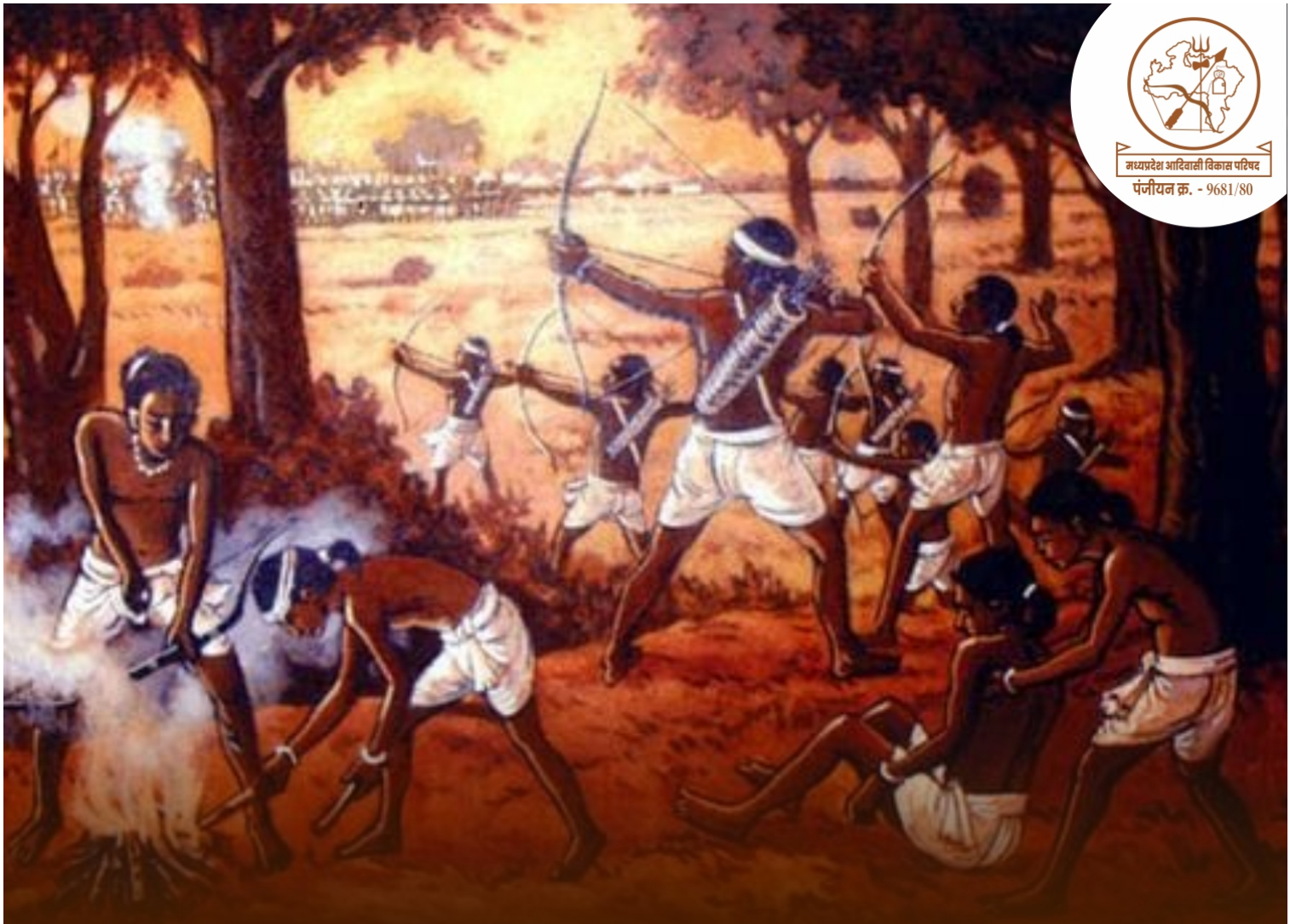

मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद
पंजीयन क्र. - 9681/80

बिरसा ने कहा — अब धरती आबा की संतानें
किसी की गुलाम नहीं रहेंगी।
जंगल हमारा है, हमारी आस्था, हमारी ज़िंदगी।

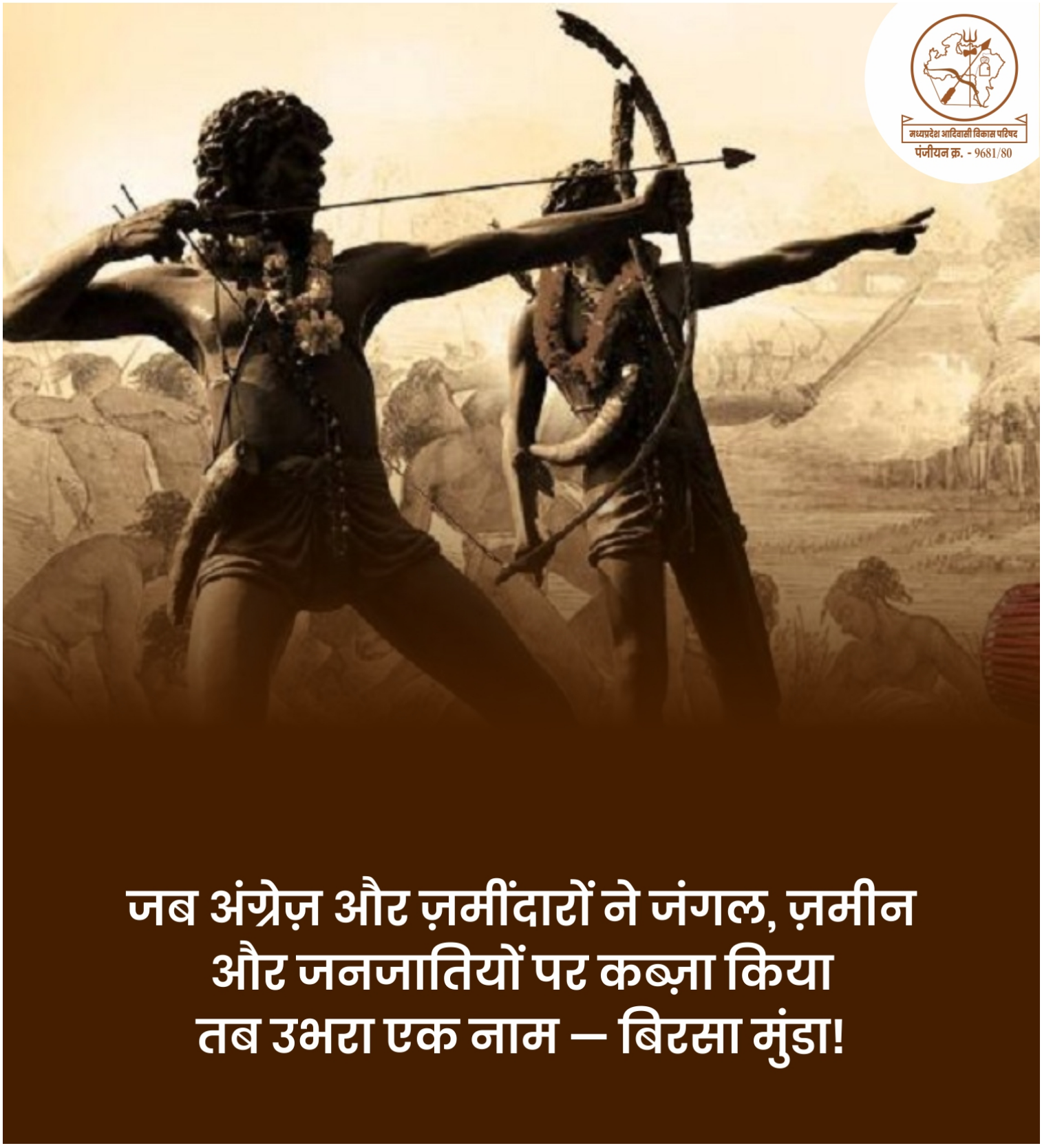
मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद
पंजीयन क्र. - 9681/80
जब अंग्रेज़ और ज़मींदारों ने जंगल, ज़मीन
और जनजातियों पर कब्ज़ा किया
तब उभरा एक नाम — बिरसा मुंडा!

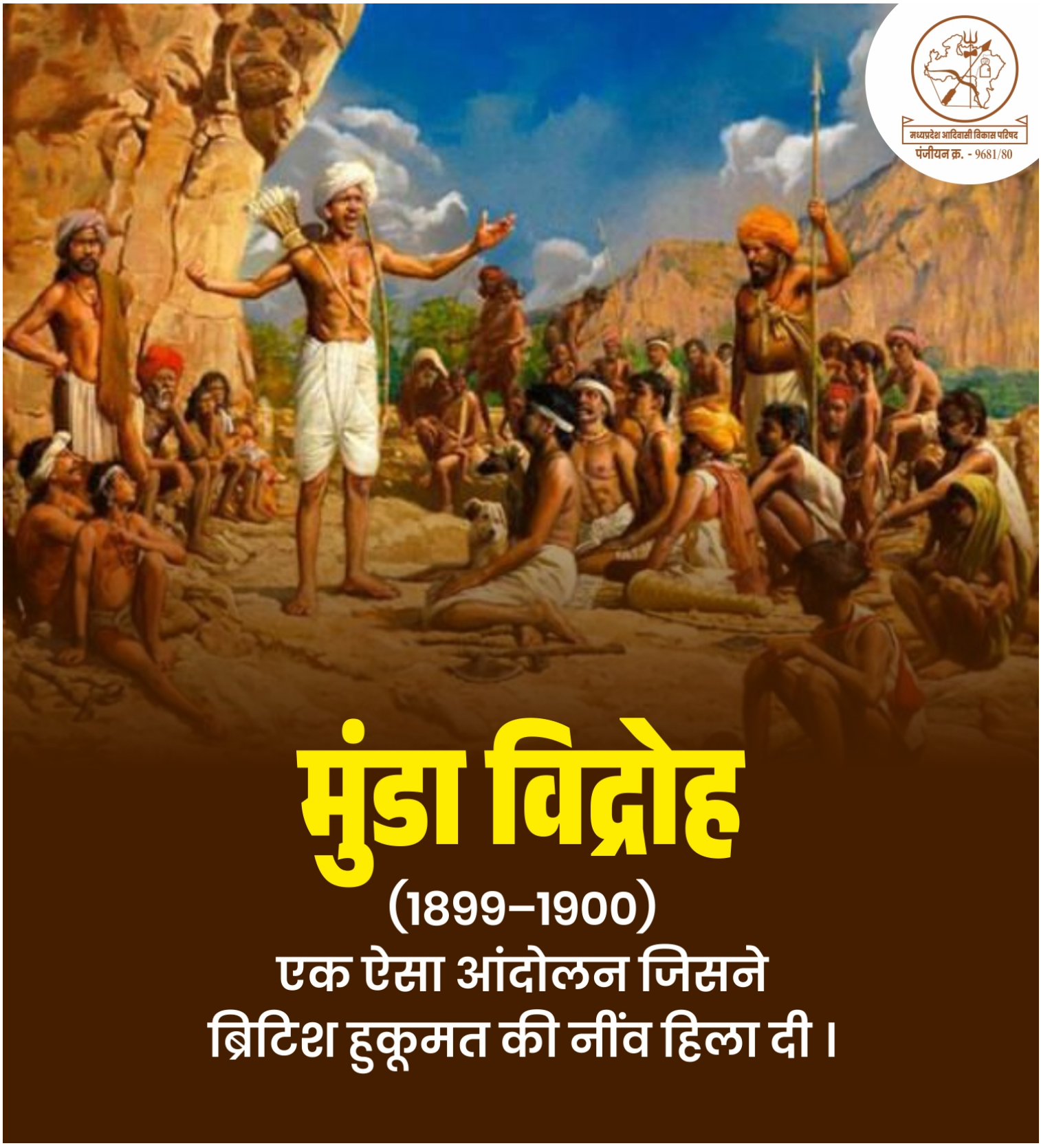
मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद
पंजीयन क्र. - 9681/80
मुंडा विद्रोह
(1899–1900)
एक ऐसा आंदोलन जिसने
ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी।